महावाणी - विश्वकल्याण की वाणी

१३/०९/२०२६

मूलस्वरूप स्थिति का अभ्यास

सभी आत्माएँ अपने मूल स्वरूप में बैठें... मूल स्वरूप आत्मा का सत्य स्वरूप है... उस स्वरूप को देखें... चमकता हुआ सितारा... अनुभव करें अपने मूल स्वरूप को... देखिए अपने मूल स्वरूप को... अति सुन्दर, तेजस्वी... यह मूल स्वरूप का अनुभव कीजिए... यही आपका सत्य स्वरूप है... यही आप हो... इसे पक्का कीजिए... मूल स्वरूप की अनुभूति में उतरते जाएँ...